>

Title: Need to make efforts for international recognition of cultural and historical heritage of Santhal Paragana and Ang Pradesh of Jharkhand.

श्री निशिकांत दुबे (गोड्डा): मैं जिस इलाके से आता हूं, वह अंग प्रदेश है, महाराजा कर्ण की राजधानी थी। महाभारतकालीन और रामायणकालीन अनेक अवशेष वहां मौजूद हैं। मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि कुछ जगह जहां खुदाई नहीं हुई है, कौरव, पथरौल, पड़ैयाहाट एक ऐसी जगह है। विक्रमशिला का खुदाई स्थल मेरा गांव भी है जो भागलपुर जिले में है। देवघर, जहां से मैं आता हूं, वह द्वादश ज्योतिर्लिंग का जगह है। वह शक्तिपीठ है। उसी तरह त्रिकूट पहाड़ है। बासुकीनाथ है, मंदार जिससे समुद्र मंथन हुआ था। चम्पापुरी, पारसनाथ है, जो कि जैनों का सबसे बड़ा केन्द्र है। विक्रमशिला प्राचीन विश्वविद्यालय है। बटेश्वरनाथ काशी की तरह महत्व की एक जगह है। मेरा आपके माध्यम से मिनिस्ट्री ऑफ कल्चर से एक आग्रह है कि जहां-जहां खुदाई नहीं हुई है, वहां खुदाई की जाए। इसे पर्यटन के मानचित्र पर लाकर इसकी कनेक्टिविटी एयर, रोड और रेल से कैसे होगी और इफ्रास्ट्रक्चर कैसे डेवलप होगा, इसके बारे में भारत सरकार को ध्यान देना चाहिए। धन्यवाद।